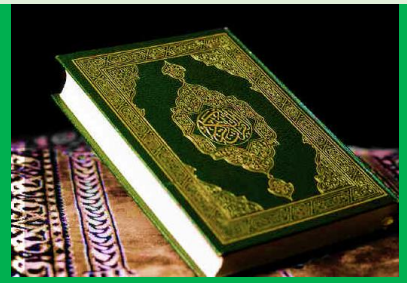

सब गैर मुस्लिम्स (कुफ्फ़ार) को जानना चाहिए की होली क़ुरान उसके बारे में क्या सिखाती है!

कुरान की वो आयते जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील
करुणेश शुक्ला ने पीआईएल डाली है,
और
साथ ही में शिया बक्फ़ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वासिम रिज़वी ने
समर्थन में एक केस फाइल किया है,
जिसके लिए पूरे देश में हंगामा खड़ा हुआ है।

1
(पा० १०, सूरा. ९, आयत ५, २ख पृ. ३६८)
(Verse 5, Surah 9)

"फिर, जब हराम के महीने बीत जाऐं, तो 'मुश्रिको' (=Those who left Islam) को जहाँ-कहीं पाओ कत्ल करो, और पकड़ो और उन्हें घेरो और हर घातकी जगह उनकी ताक में बैठो। फिर यदि वे 'तौबा' कर लें 'नमाज' कायम करें और, जकात दें तो उनका मार्ग छोड़ दो।
निःसंदेह अल्लाह बड़ा क्षमाशील और दया करने वाला है।"

2
(१०.९.२८ पृ. ३७१)
(Verse 28, Surah 9)

"हे 'ईमान' लाने वालो! 'मुश्रिक' (मूर्तिपूजक) नापाक हैं।"

3
(५.४.१०१. पृ. २३९)

"निःसंदेह 'काफिर (=Non Muslims)
तुम्हारे खुले दुश्मन हैं।"

4
(११.९.१२३ पृ. ३९१)

'हे 'ईमान' लाने वालों! (मुसलमानों) उन 'काफिरों' (=Non Muslims) से लड़ो जो तुम्हारे आस पास हैं, और चाहिए कि वे तुममें सखती पायें।"

5
(५.४.५६ पृ. २३१)

"जिन लोगों ने हमारी "आयतों" का इन्कार किया, उन्हें हम जल्द **अग्नि में झोंक देंगे**।
जब उनकी खालें पक जाएंगी तो हम उन्हें दूसरी खालों से बदल देंगे ताकि वे यातना का रसास्वादन कर लें।
निःसन्देह अल्लाह प्रभुत्वशाली तत्वदर्शी हैं"

6
(१०.९.२३ पृ. ३७०)

- "हे 'ईमान' लाने वालों! (मुसलमानों) अपने बापों और भाईयों को अपना मित्र मत बनाओ यदि वे ईमान की अपेक्षा 'कुफ्र' (=Non Muslims) को पसन्द करें। और तुम में से जो कोई उनसे मित्रता का नाता जोड़ेगा, तो ऐसे ही लोग जालिम होंगे"

7
(१०.९.३७ पृ. ३७४)

"अल्लाह 'काफिर' (=Non Muslims)
लोगों को मार्ग नहीं दिखाता"

४
(६.५.५७ पृ. २६८)

"हे 'ईमान' लाने वालो! उन्हें (किताब वालों) और काफिरों (=Non Muslims) को अपना मित्र बनाओ। अल्ला से डरते रहो यदि तुम 'ईमान' वाले हो।"

9
(२२.३३.६१ पृ. ७५९)

"फिटकारे हुए, (मुनाफिक= Those who left Islam)
जहां कहीं पाए जाऐंगे पकड़े जाएंगे और
बुरी तरह कत्ल किए जाएंगे।"

"(कहा जाऐगा): निश्चय ही तुम और वह जिसे तुम अल्लाह के सिवा पूजते थे 'जहन्नम' (=Hell) का ईंधन हो।
तुम अवश्य उसके घाट उतरोगे।"

11
(२१.३२.२२ पृ. ७३६)

- 'और उस से बढ़कर जालिम कौन होगा जिसे उसके 'रब' की आयतों के द्वारा चेताया जाये और फिर वह उनसे मुँह फेर ले। निश्चय ही हमें ऐसे अपराधियों से बदला लेना है।"

12
(२६.४८.२० पृ. ९४३)

'अल्लाह ने तुमसे बहुत सी 'गनीमतों' का वादा किया है जो तुम्हारे हाथ आयेंगी,"

13
(१०.८.६९. पृ. ३५९)

"तो जो कुछ गनीमत (=looted) (का माल) तुमने हासिल किया है उसे हलाल व पाक समझ कर खाओ"

14
(२८.६६.९. पृ. १०५५)

- "हे नबी! 'काफिरों' और 'मुनाफिकों' के साथ जिहाद करो, और उन पर सख्ती करो और उनका ठिकाना 'जहन्नम' है, और बुरी जगह है जहाँ पहुँचे"

15
(२४.४१.२७ पृ. ८६५)

- 'तो अवश्य हम 'कुफ़्र' (=Non-Muslims) करने वालों को यातना का मजा चखायेंगे, और अवश्य ही हम उन्हें सबसे बुरा बदला देंगे उस कर्म का जो वे करते थे।"

16
(२४.४१.२८ पृ. ८६५)

- "यह बदला है अल्लाह के शत्रुओं का ('जहन्नम' की) आग। इसी में उनका सदा का घर है, इसके बदले में कि हमारी 'आयतों' का इन्कार करते थे।"

17
(११.९.१११ पृ. ३८८)

"निःसंदेह अल्लाह ने 'ईमानवालों' (मुसलमानों) से उनके प्राणों और उनके मालों को इसके बदले में खरीद लिया है कि उनके लिए 'जन्नत' है: वे अल्लाह के मार्ग में लड़ते हैं तो मारते भी हैं और मारे भी जाते हैं।"

18
(१०.९.६८ पृ. ३७९)

"अल्लाह ने इन 'मुनाफिक' (कपटाचारी) पुरुषों और मुनाफिक स्त्रियों और काफिरों से 'जहन्नम' की आग का वादा किया है जिसमें वे सदा रहेंगे। यही उन्हें बस है। अल्लाह ने उन्हें लानत की और उनके लिए स्थायी यातना है।"

19
(१०.८.६५ पृ. ३५८)

"हे नबी! 'ईमान वालों' (मुसलमानों) को लड़ाई पर उभारो। यदि तुम में बीस जमे रहने वाले होंगे तो वे दो सौ पर प्रभुत्व प्राप्त करेंगे, और यदि तुम में सौ हों तो एक हजार काफिरों पर भारी रहेंगे, क्योंकि वे ऐसे लोग हैं जो समझबूझ नहीं रखते।"

20
(६.५.५१ पृ. २६७)

"हे 'ईमान' लाने वालों! तुम यहूदियों (jews) और ईसाईयों (Christians) को मित्र न बनाओ। ये आपस में एक दूसरे के मित्र हैं। और जो कोई तुम में से उनको मित्र बनायेगा, वह उन्हीं में से होगा।
निःसन्देह अल्लाह जुल्म करने वालों को मार्ग नहीं दिखाता।"

21
(१०.९.२९. पृ. ३७२)

"किताब वाले" जो न अल्लाह पर ईमान लाते हैं न अन्तिम दिन पर, न उसे 'हराम' करते हैं जिसे अल्लाह और उसके रसूल ने हराम ठहराया है, और न सच्चे दीन को अपना 'दीन' बनाते हैं उनकसे लड़ो यहाँ तक कि वे अप्रतिष्ठित (अपमानित) होकर अपने हाथों से 'जिजया' (=tax) देने लगे।"

22
६.५.१४ पृ. २६०)

फिर हमने उनके बीच कियामत के दिन तक के लिये वैमनस्य
और द्वेष (=hate) की आग भड़का दी,
और अल्लाह जल्द उन्हें बता देगा जो कुछ वे करते रहे हैं।

23
(५.४.८९ पृ. २३७)

"वे चाहते हैं कि जिस तरह से वे काफिर हुए हैं उसी तरह से तुम भी 'काफिर' हो जाओ, फिर तुम एक जैसे हो जाओः तो उनमें से किसी को अपना साथी न बनाना जब तक वे अल्लाह की राह में हिजरत न करें, और यदि वे इससे फिर जावें तो उन्हें जहाँ कहीं पाओं पकड़ों और उनका वध (कत्ल) करो।

और उनमें से किसी को साथी और सहायक मत बनाना।"

24
(१०.९.१४. पृ. ३६९)

"उन (काफिरों) से लड़ों! अल्लाह तुम्हारे हाथों उन्हें यातना देगा, और उन्हें रुसवा करेगा और उनके मुकाबले में तुम्हारी सहायता करेगा, और 'ईमान' वालों लोगों के दिल ठंडे करेगा"

उपरोक्त आयतों से स्पष्ट है कि इनमें ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, कपट, लड़ाई-झगड़ा, लूटमार और हत्या करने के आदेश मिलते हैं।

इन्हीं कारणों से देश व विश्व में मुस्लिमों व गैर मुस्लिमों के बीच दंगे हुआ करते हैं।

ISLAM
A religion of peace?
Koran 2:191 "Slay the unbelievers wherever you find them."
Koran 3:28 "Muslims must not take the infidels as friends."
Koran 3:85 "Any religion other than Islam is not acceptable."
Koran 5:33 "Maim and crucify the infidels if they criticize Islam."
Koran 8:12 "Terrorize and behead those who believe in scriptures other than the Koran."
Koran 8:60 "Muslims must muster all weapons to terrorize the infidels."
Koran 8:65 "The unbelievers are stupid; urge the Muslims to fight them."
Koran 9:5 "When opportunity arises kill the infidels wherever you find them."
Koran 9:30 "The Jews and Christians are perverts, fight them."
Koran 9:123 "Make war on the infidels living in your neighborhood."
Koran 22:19 "Punish the unbelievers with garments of fire, hooked iron rods, boiling water, melt their skin and bellies."
Koran 47:4 "Do not hanker for peace with the infidels; behead them when you catch them."
www.UncleSamsMisguidedChildren.com
ANY QUESTIONS?

Is it Radical Islamic Terrorism?

Killed 669 million *(669,000,000)*

Source: https://www.israelislamandendtimes.com/muslims-massacred-669-million-non-muslims-since-622ad/?utm_campaign=shareaholic&utm_medium=facebook&utm_source=socialnetwork)

ISRAEL ISLAM & END TIMES

HOME | END TIMES | ISRAEL | ISLAM | IRAN | UNITED STATES

Home › Islam › Islam Has Massacred Over 669+ Million Non-Muslims Since 622AD

ISLAM JIHAD PERSECUTION

Islam Has Massacred Over 669+ Million Non-Muslims Since 622AD

In fact, no ideology has been as genocidal as Islam...

By External Source - March 8, 2016 164125 104

Islam has killed more than 5 times the number of people killed by communism.

IS THIS A RESULT OF WHATEVER IS TAUGHT?

killed 242,599 in 38,161 attacks!

Between 2002-2019

An average of 13,478 killing, 18,000 injuries, and 2,120 attacks per year

Source: https://thereligionofpeace.com/

Year	Islamic Attacks	Killed People	Injured
2019	1,620	8,843	9,852
2018	1,985	11,783	11,487
2017	2,079	16,541	14,579
2016	2,498	21,413	26,731
2015	2,894	27,669	26,170
2014	3,009	32,846	27,530
2013	2,833	16,797	29,596
2012	2,484	11,557	20,272
2011	1,998	9,098	16,926
2010	2,034	9,258	17,462
2009	2,131	9,172	18,612
2008	2,207	10,717	17,803
2007	3,096	20,495	27,317
2006	2,778	15,225	19,484
2005	1,863	7,648	12,864
2004	1,115	7,109	14,558
2003	870	3,279	6,706
2002	667	3,149	6,055
Total	38,161	242,599	324,004
Average/y	2,120	13,478	18,000

IS THIS A RESULT OF WHATEVER IS TAUGHT?

Terrorism Data Post 9/11

Source: https://thereligionofpeace.com/

Slaughtered
80 to 440 million Hindus!
(The biggest Holocaust)

IS THIS A RESULT OF WHATEVER IS TAUGHT?

Source: https://hindugenocide.com/?fbclid=IwAR2jGKNtblCp9k_GH8h2qnONTIDb2y_gT6mRQySl45qW4c4cRkEhDgKT0QI

A small sample list of the internationally recognized terrorist groups.

1.Al-Shabab (Africa),
2.Al Murabitun (Africa),
3.Al-Qeada (Afghanistan),
4.Al-Qaeda (Islamic Maghreb),
5.Al-Qaeda (Indian Subcontinent),
6.Al-Qaeda (Arabian Peninsula),
7.Hamas (Palestine),
8.Palestinian Islamic Jihad (Palestine),
9.Popular Front for the Liberation of (Palestine),
10.Hezbola (Lebanon),
11.Ansar al-Sharia-Benghazi (Lebanon),
12.Asbat Al-Ansar (Lebanon),
13.ISIS (Iraq),
14.ISIS (Syria),
15.ISIS (Cauacus)
16.ISIS (Libya)
17.ISIS (Yemen)
18.ISIS (Algeria),
19.ISIS (Philippines)
20.Jund al-Sham (Afganistan),
21.Al-Mourabitoun (Lebanon),
22.Abdullah Azzam Brigades (Lebanon),
23.Al-Itihaad al-Islamiya (Somalia),
24.Al-Haramain Foundation (Saudi Arabia),
25.Ansar-Al-Sharia (Moroccon),
26.Moroccon Mudjadine (Morocco),
27.Salafia Jihadia (Morocco),
28.Boko Haram (Afrika),
29.Islamic movement of (Uzbekistan),
30.Islamic Jihad Union (Uzbekistan),
31.Islamic Jihad Union (Germany),
32.DRW True-Religion (Germany)
33.Fajar Nusantara Movement (Germany)
34.DIK Hildesheim (Germany)
35.Jaish-e-Mohammed (Kashmir),
36.Jaish al-Muhajireen wal-Ansar (Syria),
37.Popular Front for the Liberation of Palestine (Syria),
38.Jamaat al Dawa al Quran (Afghanistan),
39.Jundallah (Iran)
40.Quds Force (Iran)
41.Kata'ib Hezbollah (Iraq),
42.Al-Itihaad al-Islamiya (Somalia),
43.Egyptian Islamic Jihad (Egypt),
44.Jund al-Sham (Jordan)
45.Fajar Nusantara Movement (Australia)
46.Society of the Revival of Islamic
47.Heritage (Terror funding, WorldWide offices)
48.Taliban (Afghanistan),
49.Taliban (Pakistan),
50.Tehrik-i-Taliban (Pakistan),
51.Army of Islam (Syria),
52.Islamic Movement (Israel)
53.Ansar Al Sharia (Tunisia),
54.Mujahideen Shura Council in the Environs of (Jerusalem),
55.Libyan Islamic Fighting Group (Libya),
Movement for Oneness and Jihad in (West Africa),
56.Palestinian Islamic Jihad (Palestine)
57.Tevhid-Selam (Al-Quds Army)
58.Moroccan Islamic Combatant Group (Morroco),
59.Caucasus Emirate (Russia),

60.Dukhtaran-e-Millat Feminist Islamists (India),
61.Indian Mujahideen (India),
62.Jamaat-ul-Mujahideen (India)
63.Ansar al-Islam (India)
64.Students Islamic Movement of (India),
65.Harakat Mujahideen (India),
66.Hizbul Mujhaideen(India)
67.Lashkar e Islam(India)
68.Jund al-Khilafah (Algeria),
69.Turkistan Islamic Party,
70.Egyptian Islamic Jihad (Egypt),
71.Great Eastern Islamic Raiders' Front (Turkey),
72.Harkat-ul-Jihad al-Islami (Pakistan),
73.Tehreek-e-Nafaz-e-Shariat-e-Mohammadi (Pakistan),
74.Lashkar e Toyiba(Pakistan)
75.Lashkar e Jhangvi(Pakistan)
Ahle Sunnat Wal Jamaat (Pakistan),
76.Jamaat ul-Ahrar (Pakistan),
77.Harkat-ul-Mujahideen (Pakistan),
78.Jamaat Ul-Furquan (Pakistan),
79.Harkat-ul-Mujahideen (Syria),
80.Ansar al-Din Front (Syria),
81.Jabhat Fateh al-Sham (Syria),
82.Jamaah Anshorut Daulah (Syria),
83.Nour al-Din al-Zenki Movement (Syria),
84.Liwa al-Haqq (Syria),
85.Al-Tawhid Brigade (Syria),
86.Jund al-Aqsa (Syria),
87.Al-Tawhid Brigade (Syria),
88.Yarmouk Martyrs Brigade (Syria),
89.Khalid ibn al-Walid Army (Syria),
90.Hezb-e Islami Gulbuddin (Afganistan),
91.Jamaat-ul-Ahrar (Afganistan)
92.Hizb ut-Tahrir (Worldwide Caliphate),
93.Hizbul Mujahideen (Kasmir),
94.Ansar Allah (Yemen),
95.Holy Land Foundation for Relief and Development (USA),
96.Jamaat Mujahideen (India),
97.Jamaah Ansharut Tauhid (Indonesia),
98.Hizbut Tahrir (Indonesia),
99.Fajar Nusantara Movement (Indonesia),
100.Jemaah Islamiyah (Indonesia),
101.Jemaah Islamiyah (Philippines),
102.Jemaah Islamiyah (Singapore),
103.Jemaah Islamiyah (Thailand),
104.Jemaah Islamiyah (Malaysia),
105.Ansar Dine (Africa),
106.Osbat al-Ansar (Palestine),
107.Hizb ut-Tahrir (Group connecting
108.Islamic Caliphates across the world into one world Islamic Caliphate)
109.Army of the Men of the Naqshbandi Order (Iraq)
110.Al Nusra Front (Syria),
111.Al-Badr (Pakistan),
112.Islam4UK (UK),
113.Al Ghurabaa (UK),
114.Call to Submission (UK),
115.Islamic Path (UK),
116.London School of Sharia (UK),
117.Muslims Against Crusades (UK),
118.Need4Khilafah (UK),
119.The Shariah Project (UK),
120.The Islamic Dawah Association (UK),

121.The Saviour Sect (UK),
123.Jamaat Ul-Furquan (UK),
124.Minbar Ansar Deen (UK),
125.Al-Muhajiroun (UK) (Lee Rigby, London 2017 members),
126.Islamic Council of Britain (UK) (Not to be confused with Offical Muslim Council of Britain),
127.Ahlus Sunnah wal Jamaah (UK),
128.Al-Gama'a (Egypt),
129.Al-Islamiyya (Egypt),
130.Armed Islamic men of (Algeria),
131Salafist Group for Call and Combat (Algeria),
132.Ansaru (Algeria),
133.Ansar-Al-Sharia (Libya),
134.Al Ittihad Al Islamia (Somalia),
135.Ansar al-Sharia (Tunisia),
136.Al-Shabab (Africa),
137.al-Aqsa Foundation (Germany)
138.al-Aqsa Martyrs' Brigades (Palestine),
139.Abu Sayyaf (Philippines),
140.Aden-Abyan Islamic Army (Yemen),

141.Ajnad Misr (Egypt),
142Abu Nidal Organization (Palestine),
143.Jamaah Ansharut Tauhid (Indonesia)
144. ISPK (Islamic State …..) (Pakistan + Afghanistan)

Islamic Terrorist organizations banned in India:

01: Lashkar-e-Taiba / Pasban-e-Ahle Hadis
02: Jaish-e-Mohammed / Tahrik-e-Furqan
03: Harkat-ul-Mujahideen / Harkat ul-Ansar
04: Hizbul Mujahideen / Hizbul Mujahideen Pir Panjal Regiment
05: Al-Umar Mujahideen
06: Jammu and Kashmir Islamic Front
07: Students Islamic Movement of India
08: Deendar Anjuman
09: Al-Badr
10: Jamaat-ul-Mujahideen
11: Al-Qaeda / al-Qaeda in the Indian Subcontinent
12: Dukhtaran-e-Millat
13: Indian Mujahideen
14: Islamic State of Iraq and the Levant / Islamic State of Iraq and the Levant
15: Tehreek-ul-Mujahideen and all its manifestations
16: Organisations listed in the Schedule to the U.N. Prevention
17: Jamaat-ul-Mujahideen Bangladesh

“It really does not matter how good or bad it is written in the holy books if it is misinterpreted or practiced against humanity!”

April 2021

Mr. Rizvi and Swami Yati Narsinhananda are threatened to beheaded!

IS THIS A RESULT OF WHATEVER IS TAUGHT?